## अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व विज्ञ (वर्ष : 2024) दिनांक : 27.08.2024

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

## जैन सिद्धान्त दीपिका–30

प्र. 1 कोई पांच संस्कृत सूत्रों के हिन्दी अर्थ लिखें– 10

(क) विपाकोऽनुभागः।

(ख) अप्रत्याख्यानमविरतिः।

(ग) तत्त्वे तत्त्वश्रद्धा सम्यक्त्वम्।

(घ) उपचारात्तपोऽपि।

(ड़) निर्दोषान्नपानादेरन्वेषणम् एषणा।

(च) अल्पत्वमूनोदरिका।

प्र. 2 निम्नलिखित पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें– 10

(क) उदय के दो प्रकारों को परिभाषा सहित लिखें।

(ख) बन्ध और पुण्य-पाप में क्या अन्तर है?

(ग) लेश्या और द्रव्यलेश्या की परिभाषा लिखें।

(घ) सम्यक्त्व के कितने और कौन से आचार हैं?

(ड़) सम्यग् दर्शन की परिभाषा देते हुए उसके एकार्थक शब्द एवं भेदों को लिखें।

(च) श्रावक की ग्यारह प्रतिमाओं के नाम लिखें।

प्र. 3 कोई दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 10

(क) ध्यान किसे कहते हैं? उसके दोनों प्रकारों का वर्णन करें।

(ख) करण की परिभाषा देते हुए करण के तीनों प्रकारों का वर्णन करें।

(ग) आश्रव किसे कहते हैं? उसके भेदों को परिभाषित करें।

## गमा का थोकड़ा–70

प्र. 4 कोई छः प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए– 6

(क) पृथ्वीकाय में कितने व कौन-कौन से स्थानों से उत्पत्ति होती है?

(ख) पृथ्वीकाय में स्थावरकाय की उत्पत्ति में कौन से गमक की भव संख्या उत्कृष्ट 8 भव है और क्यों?

(ग) पृथ्वीकाय में त्रीन्द्रिय की उत्पत्ति में कौन से त्रीन्द्रिय जीव की उत्कृष्ट अवगाहना 3 कोस है और वह कहां पाये जाते हैं?

(घ) चार स्थावर में संख्यात वर्ष के संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति में तेजस व वायुकाय में उत्पन्न में जघन्य-उत्कृष्ट भव दो किस अपेक्षा से है?

(ड़) तिर्यंच पंचेन्द्रिय में प्रथम नरक के नैरयिक की उत्पत्ति में औघिक और जघन्य गमक में तीन अज्ञान की भजना किस अपेक्षा से है?

(च) तिर्यंच पंचेन्द्रिय में कितने देवलोक तक के देवता उत्पन्न होते हैं?

(छ) यौगलिक में उत्पन्न होने वाले संज्ञी मनुष्य की जघन्य अवगाहना कितनी और क्यों?

प्र. 5 कोई पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 10

(क) पृथ्वीकाय में अपकाय की उत्पत्ति यंत्र में लेश्या द्वार अपेक्षा भेद से लिखें।

(ख) पृथ्वीकाय में व्यंतर की उत्पत्ति यंत्र में संहनन द्वार अपेक्षा भेद से लिखें।

(ग) चार स्थावर में वायुकाय की उत्पत्ति यंत्र में समुद्घात द्वार अपेक्षा भेद से लिखें।

(घ) अप और वनस्पति में असुर कुमार की उत्पत्ति में ज्ञान-अज्ञान द्वार अपेक्षा भेद से लिखें।

(ड़) तीन विकलेन्द्रिय में त्रीन्द्रिय की उत्पत्ति यंत्र में दृष्टि द्वार अपेक्षा भेद से लिखें।

(च) तिर्यंच पंचेन्द्रिय में नैरयिक की उत्पत्ति यंत्र में प्रथम, तृतीय और पांचवें नरक के नैरयिकों की उत्कृष्ट अवगाहना लिखें।

प्र. 6 कोई नौ प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 54

(क) पृथ्वीकाय में पृथ्वीकाय की उत्पत्ति यंत्र में 4, 5, 6, 7 गमक का उपपात द्वार, नाणता, भव तथा काय-संवेध द्वार लिखें।

(ख) पृथ्वीकाय में द्वीन्द्रिय की उत्पत्ति का परिमाण द्वार, अवगाहना द्वार और आयु द्वार लिखें।

(ग) पृथ्वीकाय में असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति यंत्र में प्रथम तीन गमक का उपपात से लेकर लेश्या द्वार तक लिखें।

(घ) पृथ्वीकाय में संख्यात वर्ष के संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति में अवगाहना, आयु और नाणता लिखें।

(ड़) चार स्थावर में वनस्पति की उत्पत्ति के यंत्र में अप में वनस्पति तथा वनस्पति में वनस्पति का भव तथा काय संवेध द्वार लिखें।

(च) चार स्थावर में चतुरिन्द्रिय की उत्पत्ति के यंत्र में अन्तिम छः गमक का उपपात द्वार, अवगाहना, योग व नाणता लिखें।

(छ) अप तथा वनस्पति में नौ निकाय की उत्पत्ति के यंत्र का कायसंवेध द्वार लिखें।

(ज) तीन विकलेन्द्रिय में तेजसकाय की उत्पत्ति के यंत्र में वेद द्वार से नाणता तक लिखें।

(झ) यंत्र 72 के अन्तिम तीन गमक का नाणता, भव व कायसंवेध द्वार लिखें।

(ञ) तिर्यंच पंचेन्द्रिय में चतुरिन्द्रिय की उत्पत्ति के यंत्र का परिमाण द्वार से लेकर योग द्वार तक लिखें।

(ट) सनतकुमार देवलोक के जीव की लेश्या, संहनन, संस्थान, योग, संज्ञा, समुद्घात तथा उत्कृष्ट आयु बतायें।